Chapter 10

आदिकाल ,रीति काल, आधुनिक काल के विभिन्न नामकरण

Kesharam Chouhan, Department of Hindi

Shri Jain Terapanthi College, Ranawas, Pali

आदिकाल का विभिन्न विद्वानों द्वारा नामकरण–

आदिकाल– आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, डॉ रसाल, डॉ. नरेन्द्र

वीरगाथा काल– आचार्य रामचंद्र शुक्ल

वीर काल– विश्व नाथ प्रसाद मिश्र

आरंभिक काल– मिश्रबन्धु

अपभ्रंश काल– धीरेन्द्र वर्मा, डॉ. बच्चन सिंह, श्यामसुंदर दास

सिध्द सामंत काल– राहुल सांकृत्यायन

संधि काल चारण काल– राम कुमार वर्मा

चारण काल– जॉर्ज ग्रियर्सन

बीजवपन काल– आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

प्रारंभिक शून्य काल– डॉ० गणपति चन्द्र गुप्त

पुरानी हिन्दी काल– चन्द्र धर शर्मा गुलेरी

अंधकार काल– धीरेन्द्र वर्मा डॉ० बच्चन सिंह

संक्रमण काल– डॉ० हरिश्चन्द्र वर्मा राम खिलावन पाण्डेय

आधार काल–डॉ० मोहन अवस्थी

प्राचीन काल– शम्भू नाथ सिंह

अविर्भाव काल–– शैलेश जैदी

संक्रांति काल–रामप्रसाद मिश्र

उद्‌भव काल– वासुदेव सिंह

उत्तर अपभ्रंश काल – हरिश।

रीतिकाल को विभिन्न विद्वानों ने निम्न नाम दिए है –

अलंकृत काल – मिश्रबन्धु

रीतिकाल – आचार्य रामचंद्र शुक्ल

कलाकाल – डॉ. रमाशंकर शुक्ल रसाल

रीति श्रृंगार काल – डॉ० भागीरथ मिश्र

श्रृंगार काल– आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, डॉ० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।

आधुनिक काल के नामकरण –

मिश्रबन्धु– वर्तमान काल

गद्य काल –आचार्य रामचंद्र शुक्ल

आधुनिक काल – डॉ० राम कुमार वर्मा ,डॉ० गणपति चन्द्र गुप्त,

डॉ० नगेन्द्र।

हिन्दी साहित्य का आरंभ –

1. 700 ई .से 1400 ई . – जार्ज ग्रियर्सन
2. 643ई से 1389 ई – मिश्रबन्धु
3. वि.स .1050 –से 1475 वि. सं.– आचार्य रामचंद्र शुक्ल
4. 693 ई. से (7 वी शती) – डॉ० राम कुमार वर्मा
5. 769 ई. से (8 वी शती)
6. 1000 ई से1400ई. आचार्य रामचंद्र शुक्ल
7. 7वीं शताब्दी के मध्य से 14 वी शती मध्य– डॉ० नगेन्द्र
8. 1184ई. से शुरूआत– डॉ० गणपति चन्द्र गुप्त।

आदिकालीन साहित्य –

1. रासो साहित्य
2. जैन साहित्य
3. सिद्ध बौद्ध साहित्य
4. नाथ साहित्य।

ISBN: 978-93-344-1269-7